जीवन की सांसें कब रुक जाए हार कर भजन लिरिक्स

जीवन की सांसें कब,
रुक जाए हार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर।bd।

तर्ज – छुप गया कोई रे।

आंखों में हरि छवि,
कानों से ज्ञान सुन,
सुबह सबेरे गाओ,
सिर्फ एक राम धुन,
हर काम करना प्यारे,
प्रभु को पुकार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर।bd।

माथा श्री चरणों में,
हाथों से दान कर,
महल अटारी रूप,
रंग का न मान कर,
जीव्हा से राम नाम,
हर पल उचार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर।bd।

बचपन जवानी बीती,
अब तो भजन कर,
सत्संग गीता पाठ,
कोई जतन कर,
हिरदय में 'राजेंद्र'
राम नाम धार कर,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर।bd।

जीवन की सांसें कब,
रुक जाए हार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर,
रखना जतन से प्यारे,
इनको संवार कर।bd।

गीतकार/गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340

ये भी देखें – सांसो का क्या भरोसा।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com